लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 26 August 2023

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : पीजी के सात विषयों की मेरिट जारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए हुई प्रवेश परीक्षा के बाद शुक्रवार को सात विषयों की मेरिट सूची जारी कर दी गई। इनमें मास्टर पब्लिक हेल्थ, एमए फारेंसिक साइंस, एमए एंथ्रोपोलाजी, एमए मैथमेटिक्स, एमएससी मैथमेटिक्स, एमएससी फारेंसिक साइंस और और एमएससी मालीकुलर एवं ह्यूमन जेनेटिक्स शामिल है। अभ्यर्थी वेबसाइट पर मेरिट सूची देख सकते हैं।

लवि : बीसीए, बीवीए में अभिलेख सत्यापन 28 को

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीसीए और बीवीए/बीएफए पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अभ्यर्थियों के अभिलेख सत्यापन की तिथि तय कर दी है। बीसीए के अभिलेख सत्यापन द्वितीय परिसर के इंजीनियरिंग संकाय में और बीवीए, बीएफए का सत्यापन फाइन आर्ट्स संकाय में 28 अगसत को सुबह 10 बजे से होगा। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया है।

हास्टल के लिए 28 तक आवेदन : लवि में सत्र 2023-24 के लिए एमए, एमकाम, एमवीए, एमएफए, एमसीए, एमटीटीएम, एमएड, एमलिब, एमपीएड, एमएसडब्ल्यु एवं अन्य मास्टर कोर्सेज के तीसरे सेमेस्टर के अंतःवासी छात्र-छात्राएं हास्टल के पुनः आवंटन के लिए 28 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर एचएमएस पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

समाज की समस्याओं पर केंद्रित शोध की जरूरत : डा. आलोक

एमिटी वि. मे हुए सम्मेलन मे शामिल हुए लवि कुलपति प्रो. आलोक राय व अन्य • सौ. एमिटी

जागरण संवाददाता, लखनऊ: वैश्विक स्तर पर डाक्टरेट अनुसंधान को बढ़ावा देने और उससे जुड़े विषयों को संबोधित करने के लिए एमिटी विश्वविद्यालय लखनऊ ने शुक्रवार को विश्व डाक्टरेट दिवस पर 'डाक्टरेट अनुसंधान के मुद्दें और चुनौतियां' को लेकर 11वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आइसीआइसीडीआर) आयोजित किया। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डा. आलोक राय ने दीप जलाकर सम्मेलन का शुभारंभ किया।

डा. आलोक राय ने विषय चयन के लिए एमिटी यूनिवर्सिटी को बधाई दी। उन्होंने कहा, यदि शोध व्यवस्था और समाज की समस्याओं पर केंद्रित नहीं होगा तो कायम नहीं रह सकेगा। शोध कार्य करने के दो सेट होते हैं। एक तो बिना शोध के पीएचडी और दूसरा शोध के साथ पीएचडी और दोनों ही सेट हमारे देश में उपलब्ध हैं। सवाल यह है कि क्या हमारा सिस्टम इनमें अंतर करने के लिए सक्षम है। डा. राय ने कहा कि हर शोध में व्यवस्था और समाज के मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि यह आम जनता का पैसा होता है। इसलिए आम लोगों के प्रति जवाबदेही भी होती है। इस दौरान एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ परिसर के चेयरमैन डा. असीम चौहान ने प्रत्येक प्रतिभागी को बधाई दी और कहा कि वास्तव में इस सम्मेलन के निष्कर्षों से हमारे छात्रों और शोधार्थियों को लाभ होगा।

वरिष्ठ शोधकर्ता युवाओं के साथ सहयोग कर रहे हैं। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर के चेयरमैन डा. असीम चौहान, एमिटी विश्वविद्यालय यूपी के कुलपति प्रो. डा. बलविंदर शुक्ला, आरबीईएफ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रो. कमल कांत द्विवेदी और ग्लोबल एकेडमी आफ डाक्टरेट के अध्यक्ष सम्मेलन अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आरबीईएफ (एमिटी एजुकेशन ग्रुप), अध्यक्ष ग्लोबल एकेडमी आफ डाक्टरेट डा. राकेश भटनागर वैज्ञानिक और नेशनल साइंस चेयर जेएनयू नई दिल्ली के प्रो. डा. पीबी शर्मा समेत कई लोग उपस्थित रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के तत्वावधान में एडीआर ड्राफ्टिंग एवं लिटररी सोसायटी की ओर से डा. शंकर दयाल शर्मा नेशनल पीआइएल ड्राफ्टिंग कंपटीशन" के पोस्टर का विमोचन शुक्रवार को विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर बीडी सिंह ने किया। उन्होंने सोसायटी की ओर से कराए जा रहे कार्यक्रम की सराहना की।

HINDUSTAN PAGE 7

नए विचारों से बढ़ेगा स्टार्टअप: प्रो. अनिल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे उद्यमिता सम्मेलन में शुक्रवार को छठे विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। इसका विषय रसायन विज्ञान उद्यमिता के लिए नए उपकरणों और संकल्पना को नियोजित करने वाले हेटेरोसाइकल्स के प्रत्यक्ष सी-एच बांड कार्यात्मकता पर रहा।

बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी के प्रो. अनिल कुमार ने कहा कि नए विचार स्टार्टअप को आगे बढ़ा सकते हैं। शैक्षणिक संस्थान युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित और समर्थन कर सकते हैं।

एलयू: हॉस्टल के लिए 28 तक सकेंगे आवेदन

लखनऊ। एलयू में परास्नातक स्तर के कई पाठ्यक्रमों में तीसरे सेमेस्टर के अंत:वासियों के लिए दोबारा हॉस्टल आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एमए, एमकॉम, एमवीए, एमएफए, एमसीए, एमटीटीएम, एमएड, एमलिब, एमपीएड, एमएसडब्लू और अन्य पीजी कोर्सेज में दोबारा हॉस्टल आवंटन आवेदन 28 अगस्त तक किया जा सकता है।

समाज की समस्याओं पर शोध हों : प्रो. राय

लखनऊ। एमिटी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विश्व डॉक्टरेट दिवस पर डॉक्टरेट अनुसंधान के मुद्दे और चुनौतियां विषय पर 11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। ग्लोबल एकेडमी ऑफ डॉक्टरेट्स के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि समाज की समस्या पर शोध कार्य होना चाहिए।

एलयू: पीजी के 7 विषयों में सीटें आवंटित

दाखिले की दौड़

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2023-24 के तहत कई विषयों में सीटें आवंटित कर दी गई हैं। विद्यार्थी 29 अगस्त तक फीस जमा कर सकेंगे।

एलयू में पीजी पाठ्यक्रमों के मद्देनजर सात विषयों में पहला सीट आवंटन किया गया है। बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस, एमए अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, पत्रकारिता एवं जनसंचार और एमएससी केमेस्ट्री, बायोकेमेस्ट्री व एप्लाइड जियोलॉजी विषय में सीट आवंटित कर दी गई हैं। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि 29 अगस्त की रात 12 बजे तक ऑनलाइन फीस जमा की जा सकती है। विश्वविद्यालय की ऑफिशियल वेबसाइट पर एडमिशन पेज पर पीजी एडमिशन में जाकर देख सकते हैं।

बीसीए, बीवीए में प्रवेश के लिए सत्यापन 28 को: एलयू में बीसीए, बीवीए या बीएफए पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का अभिलेख सत्यापन 28 अगस्त को होगा। विद्यार्थी नवीन परिसर स्थित इंजीनियरिंग संकाय में सत्यापन करवा सकेंगे।

यूजी के कोर्स में अब दो सितंबर तक आवेदन

अमीनाबाद स्थित महिला विद्यालय डिग्री कॉलेज में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में आवेदन करने की तिथि बढ़ा दी गई है। सत्र 2023-24 में बीए, बीएससी, बीएससी गृहविज्ञान एवं बीकॉम प्रथम वर्ष में दाखिले के लिए अब दो सितंबर तक फॉर्म भरे जाएंगे।

कैस से एमटेक में आवेदन की तिथि बढ़ी

एकेटीयू परिसर स्थित सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज (कैस) के एमटेक पाठ्यक्रम में आवेदन करने की अंतिम तारीख चार सितंबर तय कर दी गई है। पहले यह तिथि 22 अगस्त थी। कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बताया कि कैस में एमटेक की 90 सीटों के लिए आवेदन जारी हैं।

i-NEXT PAGE 2

रसायन विज्ञान में उद्यमिता अहम है

LUCKNOW (25 Aug): एलयू में चल रहे उद्यमिता कॉन्क्लेव 2023 के छठे विशेष व्याख्यान में बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी के प्रोफेसर अनिल कुमार ने अपना व्याख्यान दिया. उन्होंने रसायन विज्ञान में उद्यमिता के बारे में जानकारी दी. डॉ. नीरज कुमार मिश्रा ने प्रोफेसर अनिल कुमार का परिचय कराया. डॉ. राजीव कुमार वर्मा ने मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट किया. कार्यक्रम में सीडीआरआई के वैज्ञानिकों, संकाय सदस्यों और विभाग के शोधार्थियों ने भाग लिया.

एलयू के विधि संकाय में पोस्टर का विमोचन

LUCKNOW (25 Aug): लखनऊ यूनिवर्सिटी, विधि संकाय के एडीआर ड्राफ्टिंग एवं लिटररी सोसाइटी ने शुक्रवार को डॉक्टर शंकर दयाल शर्मा नेशनल पीआईएल ड्राफ्टिंग कंप्टीशन के पोस्टर का विमोचन किया. इस दौरान विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. बीडी सिंह भी शामिल रहे. उन्होंने सोसाइटी की ओर से कराए जा रहे कार्यक्रम की सराहना की. सोसाइटी के शिक्षक समन्वयक प्रो. डॉ. हरिश्चंद्र राम ने पीआईएल के बारे में बताया. इस तरह के प्रोग्राम में सभी विधि संकाय के छात्र भाग ले सकते हैं और दस हजार तक का पुरस्कार जीत सकते है. मौके पर पूर्व अधिष्ठाता प्रो. डॉ. आरके सिंह, कुलानुशासक प्रो. डॉ. मो. अहमद, प्रो. डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, सोसाइटी के संयुक्त संयोजक हिमांशु कुमार सिंह व अन्य सदस्य मौजूद रहे.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

शोध में समाज के मुद्दों पर भी ध्यान जरूरी

लखनऊ (एसएनबी)। विश्व डॉक्टरेट दिवस के अवसर पर डॉक्टरेट अनुसंधान के मुद्दे और चुनौतियां पर 11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन एमिटी यूनिवर्सिटी की ओर से किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. आलोक के. राय थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ उन्होंने दीप जला कर किया। उद्घाटन सत्र में विंग. कमांडर. (सेवानिवृत्त) अनिल कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि यह सम्मेलन हमें अपनी मातृभूमि के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. आलोक के. राय ने कहा कि यदि शोध व्यवस्था और समाज की समस्याओं पर केंद्रित नहीं होगा तो वह कायम नहीं रह सकेगा। उन्होंने कहा कि शोधकार्य करने के दो सेट होते है, एक तो बिना शोध के पीएचडी और दूसरा शोध के साथ पीएचडी और दोनों ही सेट हमारे देश में उपलब्ध है। सवाल यह है कि क्या हमारा सिस्टम उनमें अंतर करने के लिए सक्षम है। डॉ. राय ने कहा कि हर शोध में व्यवस्था और समाज के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि सारा फाइनांस जनता के पैसे से आता है, और प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जवाबदेही भी होती है।

एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ कैम्पस के चेयरमैन डॉ. असीम चौहान ने कहा कि वास्तव में इस सम्मेलन के निष्कर्षों से हमारे छात्रों और शोधार्थियों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि शोध का जारी रहना बहुत जरूरी है। अब हम टीमों और समूहों में अधिक शोध कर रहे है, वरिष्ठ शोधकर्ता युवाओं के साथ सहयोग कर रहे है, यानी पीढ़ी दर पीढ़ी शोध जारी रखना ही समाज के बेहतर भविष्य का रास्ता हो सकता है। सम्मेलन में प्रोफेसर कमलकांत द्विवेदी ने विश्व डॉक्टरेट दिवस के महत्व पर बात की और कहा कि हमारी सबसे बड़ी चिंता एक डॉक्टरेट अनुसंधान की गुणवत्ता के साथ समझौता करना है। इस अवसर पर डॉ. असीम चौहान, चेयरमैन, प्रो. डॉ. बलविंदर शुक्ला, प्रो. कमल कांत द्विवेदी, डॉ. राकेश भटनागर, प्रोफेसर डॉ. पी.वी. शर्मा, अनिल कुमार, प्रोफेसर क़मर रहमान, प्रो. डॉ. राजेश के. तिवारी, डॉ. डब्ल्यू सेल्वामूर्ति, लेफ्टिनेंट जनरल वीके. शर्मा, प्रो. पीके पांडे वीसी, प्रो. ए.डब्ल्यू. संतोष कुमार, डॉ. अमित जैन, जेपी पांडे, प्रोफेसर डॉ. डी. फिंक प्रो. डॉ. रेजिना चेर्मोकिना सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

एमिटी विवि में विश्व डॉक्टरेट दिवस पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

AMRIT VICHAR PAGE 4

हॉस्टल आवंटन के लिए फिर करें आनलाइन आवेदन

जनहित याचिका के बारे में दी जानकारी

छात्र बन मजबूत वैल्यू सिस्टम से विकसित करें

सीजीएम और वर्टिकल प्रमुख सत्य प्रकाश सिंह ने सफल उद्यमशीलता एवं उद्यमियों की सफलता के अनुभवों को साझा करके छात्रों को प्रेरित किया। चोपड़ा रीटेक के सीएमडी किरण चोपड़ा ने स्वयं के उद्यमशीलता से प्राप्त व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। उनका व्याख्यान निरंतरता और दूरदर्शिता पर केंद्रित था। परिचर्चा सत्र में छात्रों ने वक्ताओं के साथ बातचीत की और उनसे नया उद्यम शुरू करने के बारे में अपने प्रश्न पूछे। कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर विनोद सिंह, प्रोफेसर अरविंद मोहन, उर्वशी सिरोही आदि मौजूद रहे।

समाज की समस्याओं पर केन्द्रित हो शोध : प्रो. आलोक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते लविवि के कुलपति अलोक राय व अन्य।

अमृत विचार : विश्व स्तर पर डॉक्टरेट अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एमिटी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विश्व डॉक्टरेट दिवस के अवसर पर 'डॉक्टरेट अनुसंधान के मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर 11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईसीडीआर) आयोजित किया। यह सम्मेलन दिल्ली में विधिवत पंजीकृत सोसायटी ग्लोबल एकेडमी ऑफ डॉक्टरेट्स के सहयोग से आयोजित किया गया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. आलोक राय ने कहा कि यदि शोध व्यवस्था और समाज की समस्याओं पर केंद्रित नहीं होगा तो वह कायम नहीं रह सकेगा। उन्होंने कहा कि शोधकार्य करने के दो सेट होते हैं, एक तो बिना शोध के पीएचडी और दूसरा शोध के साथ पीएचडी और दोनों ही सेट हमारे देश में उपलब्ध हैं। सवाल यह है कि क्या हमारा सिस्टम उनमें अंतर करने के लिए सक्षम है।

एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ कैम्पस के चेयरमैन डॉ. असीम चौहान ने प्रत्येक प्रतिभागी को बधाई दी और कहा कि वास्तव में इस सम्मेलन के निष्कर्षों से हमारे छात्रों और शोधार्थियों को लाभ होगा। एमिटी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर डॉ. बलविंदर शुक्ला ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध से समाज को लाभ होता है और राष्ट्र निर्माण में मदद मिलती है। प्रोफेसर डॉ. राकेश भटनागर ने कहा कि पीएचडी ऐसे व्यक्ति को दी जानी चाहिए जिसने या तो नए ज्ञान में योगदान दिया हो या मौजूदा ज्ञान की नई व्याख्या की हो। यदि आप इन मानदंडों में से किसी एक को पूरा नहीं करते हैं तो वास्तव में आप पीएचडी के लायक नहीं हैं।

• एमिटी विश्वविद्यालय में विश्व डॉक्टरेट दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

रसायन विज्ञान में उद्यमिता महत्वपूर्ण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

• लविवि में उद्यमिता कान्क्लेव का हुआ आयोजन

अमृत विचार : रसायन विज्ञान में उद्यमिता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह नवाचार नए उत्पाद और आर्थिक विकास के लिए प्रेरित करती है। उद्यमी बनने वाले अपने शोध को व्यावहारिक समाधानों में बदल सकते हैं और नौकरियां पैदा कर सकते हैं। साथ ही फार्मास्यूटिकल्स से लेकर सामग्री विज्ञान तक विभिन्न उद्योगों की प्रगति में योगदान दे सकते हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान की ओर से उद्यमिता कॉन्क्लेव पर आयोजित व्याख्यान में उक्त बातें रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने कही। बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस के प्रोफेसर अनिल कुमार ने रसायन विज्ञान उद्यमियों के लिए नए उपकरणों और विधियों के बारे में बताया। डॉ. कुमार ने नवाचार और स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए बिट्स पिलानी की ओर से शुरू किए गए नए पीएचडी कार्यक्रम (पीएचडी-ड्राइव) प्रस्तुत किया।

HT PAGE 7

{ CONFERENCE ON DOCTORAL RESEARCH }

Research without honest intention is useless: Prof Rai

HT Correspondent
letters@htlive.com

ICICDR-2023 being inaugurated in Lucknow on Friday. HT PHOTO

LUCKNOW: To address the concerns and strengthen doctoral research globally, Amity University Lucknow Campus organised its 11th International Conference on Issues and Challenges in Doctoral Research (ICICDR-2023) on World Doctorates Day on Friday. This conference was organised in collaboration with the 'Global Academy of Doctorates'.

Prof Alok Kumar Rai, vice-chancellor, Lucknow University, inaugurated the conference in the presence of Aseem Chauhan, chairman, Amity University Lucknow Campus, Prof Balvinder Shukla, vice-chancellor, Amity University Uttar Pradesh and others.

Addressing the conference, chief guest Prof Rai said that if research is not done with honest intention, it has no use.

He said that every research should address the concerning issues of society because all the money comes from the public directly or indirectly, and there is accountability.

Aseem Chauhan, chairman, Amity University Lucknow Campus said that indeed students and research scholars would benefit through the findings of this conference.

Prof Kamal Kant Dwivedi, conference chair talked about the significance of World Doctorates Day and said that the biggest concern is the quality of doctoral research.

Balvinder Shukla, vice-chancellor, Amity University UP said that quality research benefits the society and helps in building the nation.

LOKSATYA PAGE 2

उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया- एलयू में हुआ व्याख्यान

लखनऊ, लोकसत्य। शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता प्राप्त करने की अपनी निरंतर खोज में, रसायन विज्ञान विभाग ने ₹उद्यमिता कॉन्क्लेव 2023 के अवसर पर छठे विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। यह व्याख्यान बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी के प्रो अनिल कुमार ने दिया। प्रारंभ में रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया और वर्तमान परिदृश्य में उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि रसायन विज्ञान में उद्यमिता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह नवाचार, नए उत्पाद विकास और आर्थिक विकास को प्रेरित करती है। जो रसायनज्ञ उद्यमी बन जाते हैं वे अपने शोध को व्यावहारिक समाधानों में बदल सकते हैं, नौकरियाँ पैदा कर सकते हैं।

NBT PAGE 4

LU में पीजी के 7 विषयों में सीटें आवंटित

29 अगस्त तक आवंटित सीटों के लिए फीस भर सकते हैं अभ्यर्थी

ऐडमिशन अलर्ट

File

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ : एलयू में परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत शुक्रवार को सात विषयों में सीटें आवंटित कर दी गईं। अभ्यर्थी 29 अगस्त तक आवंटित सीटों के लिए फीस भर सकते हैं। एलयू प्रवक्ता डॉ.दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस, एमए अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, पत्रकारिता एवं जनसंचार, एमएससी केमेस्ट्री, बायोकेमेस्ट्री व एप्लाइड जियॉलजी विषय में सीट आवंटित कर दी गई हैं। अभ्यर्थी पूर्व में दिए गए अपने लॉग इन आईडी का प्रयोग करके सीट अलॉटमेंट वेबसाइट पर देख सकते हैं। 29 अगस्त की रात 12 बजे तक ऑनलाइन फीस जमा की जा सकती है। एलयू की वेबसाइट पर ऐडमिशन पेज पर जाकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

यूजी कोर्सों में प्रवेश के लिए सत्यापन 28 को : एलयू में बीसीए, बीवीए और बीएफए पाठ्यक्रम में जिन अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, उन्हें अभिलेखों का सत्यापन 28 अगस्त को कराना है। बीसीए के स्टूडेंट्स एलयू न्यू कैंपस स्थित इंजिनियरिंग संकाय में सत्यापन करवा सकते हैं। वहीं बीवीए या बीएफए का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन ललित कला संकाय परिसर में होगा। जिन अभ्यर्थियों ने सीट आवंटन के बाद फीस जमा कर दी है, वह विभाग में उपस्थित होकर अपने सभी प्रपत्रों का भौतिक सत्यापन कर सकते हैं। सत्यापन न कराने पर प्रवेश निरस्त हो जाएगा।

फिजिक्स विभाग में क्लास 29 से शुरू : एलयू में फिजिक्स डिपार्टमेंट में एमएसी और बीएससी के विषम सेमेस्टर की पढ़ाई का टाइम टेबल जारी कर दिया गया है। विभागाध्यक्ष प्रो. एनके पांडेय ने बताया कि एमएसी के तीसरे सेमेस्टर की क्लास 29 अगस्त से शुरू होगी। वहीं बीएससी तीसरे सेमेस्टर और बीएससी पांचवें सेमेस्टर की क्लास 4 सितम्बर से शुरू होगी। क्लासेस का टाइम टेबल वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

हॉस्टल की आवंटन प्रक्रिया दोबारा शुरू: एलयू में पीजी स्तर के कई कोर्सों में तीसरे सेमेस्टर के हॉस्टलर्स के लिए दोबारा हॉस्टल आवंटन के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। अंतिम डेट 28 अगस्त है।

महिला कॉलेज में यूजी कोर्सों में आवेदन 2 तक

■ एनबीटी सं, लखनऊ : महिला विद्यालय डिग्री कॉलेज में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में आवेदन करने की डेट एक बार और बढ़ा दी गई है। प्राचार्या निशा गुप्ता ने बताया कि सत्र 2023-24 में बीए, बीएससी, बीएससी गृह विज्ञान और बीकॉम प्रथम वर्ष में दाखिले के लिए अब 2 सितंबर तक फॉर्म भरे जा सकते हैं। कॉलेज के सुविधा केंद्र में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक प्रवेश फॉर्म लेकर जमा भी किए जा सकते हैं। काउंसलिंग और सत्यापन का कार्य 2 सितंबर तक ही किया जाएगा।

डॉक्टरेट्स दिवस पर एमिटी विवि में हुए सम्मेलन में बोले वक्ता

'व्यवस्था और समाज की समस्या पर केंद्रित होना चाहिए शोध कार्य'

■ एनबीटी, लखनऊ: विश्व डॉक्टरेट्स दिवस पर एमिटी यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को 11वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एलयू वीसी डॉ. आलोक कुमार राय ने ने कहा कि शोध व्यवस्था और समाज की समस्याओं पर केंद्रित होना चाहिए क्योंकि शोधकर्ताओं की प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से जनता के प्रति जवाबदेही बनती है। हालांकि, पीएचडी बिना शोध के साथ भी हमारे देश में उपलब्ध है लेकिन हमारा सिस्टम इसमें अंतर करने में अभी सक्षम नहीं है।

एमिटी लखनऊ कैंपस चेयरमैन डॉ. असीम चौहान ने कहा कि जैसे-जैसे देश बढ़ रहा है, शोध जारी रहना जरूरी है। कार्यक्रम को अनुसंधान विद्वानों और पर्यवेक्षकों के साथ इंटरेक्शन, शोधकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण कौशल और अनुसंधान की गुणवत्ता के लिए एक वरदान या अभिशाप सत्रों में आयोजित किया गया है। मौके पर यूएसए, यूके, कनाडा, रूस, ओमान, नेपाल और यूएई के प्रतिनिधियों के सत्र भी हुए। सम्मेलन में विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) अनिल कुमार, डॉ. राजेश के. तिवारी के साथ कई देशों व विदेशी विवि के प्रतिनिधि व शिक्षाविद शामिल हुए।

एलयू वीसी ने किया सम्मेलन का उद्घाटन।

पीएचडी डिग्री नहीं, एक सपना: सम्मेलन में प्रो. कमल कांत द्विवेदी ने डॉक्टरेट अनुसंधान की गुणवत्ता के साथ समझौता करना बड़ी चिंता बताया। उन्होंने कहा कि पीएचडी कोई डिग्री नहीं है, यह एक सपना है जिसे पूरा करने में बरसों लगते हैं। यह अन्य किसी डिग्री से प्रतिस्थापित नहीं हो सकती। एमिटी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. डॉ. बलविंदर शुक्ला ने कहा कि शोध से समाज का लाभ होना चाहिए। इससे राष्ट्र निर्माण में मदद मिलनी चाहिए। सम्मेलन में प्रो. डॉ. पीवी शर्मा, प्रो. डॉ. राकेश भटनागर और डॉ. कमर रहमान ने भी चर्चा की।

TOI PAGE 3

Research sans honest intent has no use: VC

Times News Network

Lucknow: Lucknow University VC **Alok Kumar Rai** said here on Friday that if research is not done with an honest intention it has no use. "There are two sets of research, one is PhD without research and the other PhD with research. Both are available in our country. The question is if the system is competent enough to differentiate between them," he said while addressing the 11th International Conference on Issues & Challenges in Doctoral Research (ICICDR-2023) at Amity University Lucknow Campus on Friday, the World Doctorates Day.

The day-long event had three plenary sessions -- an Interactive Session with the Research Scholars and Supervisors; a session on Critical Skills for Researchers and a panel discussion on "Artificial Intelligence a boon or bane for the quality of Doctoral Research".

Budding chemists get insights into startups and innovations

Times News Network

Lucknow: Lucknow University's chemistry department on Friday organized a special lecture during its 'Entrepreneurship Conclave-2023'.

Speaking at the conclave, department head, Prof Anil Mishra, told students that chemistry is crucial as it drives innovation, new product development, and economic growth. Chemists, who become entrepreneurs can turn their research into practical solutions, create jobs, and contribute to advancements in various industries, from pharmaceuticals to materials science.

A special lecture during the conclave was delivered by Prof Anil Kumar from Birla Institute of Technology and Science, on 'Direct C-H Bonds functionalization of Heterocycles Employing New Tools and Concept for Chemistry Entrepreneurship'.

Prof Kumar spoke about novel tools and methods for entrepreneurs in the field and stressed upon how new ideas can lead to startups and how educational institutions can encourage and support young businessmen.

LU law faculty to host first online PIL drafting contest

Times News Network

Poster launched by LU's ADR, Drafting, and Literary Society

Lucknow: Lucknow University's ADR, Drafting, and Literary Society (ADLS) launched the poster for its first Dr Shankar Dayal Sharma National online PIL drafting competition on Friday. The competition will be held from August 25 to October 10.

The dean of Law faculty, Prof BD Singh said, "The online PIL drafting competition will give students an exposure to the requirements of drafting a PIL, client counselling and other necessary factors essential in the field. LU's law society members are organizing the significant event, especially considering the participation of students from all over the country."

He said that taking part in such competitions in today's era is essential for law students, especially those pursuing a career in the field of Litigation and Advocacy. Through these competitions, students can develop their drafting skills, analytical skills, critical thinking and research skills.

Most importantly, they can increase their knowledge and understanding of contemporary social issues, he added.